DT दीनार टाइम्स

कानपुर न्यूज

कृषि विश्वविद्यालय में गाजर घास उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को गाजर घास (पार्थेनियम) उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों एवं आमजन को इस हानिकारक खरपतवार के दुष्प्रभावों और इसके नियंत्रण के उपायों के प्रति जागरूक करना रहा। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि गाजर घास, जिसे देश के विभिन्न हिस्सों में सफेद टोपी, चटक चांदनी और गंधी बूटी के नाम से भी जाना जाता है, तेजी से फैलने वाला हानिकारक खरपतवार है। यह रेलवे लाइनों, सड़कों के किनारों तथा खेतों में व्यापक रूप से पाया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में इसका अंकुरण तेजी से होता है और यह भीषण खरपतवार का रूप ले लेता है। यह मात्र तीन से चार महीने में अपना जीवन चक्र पूरा कर लेता है और बड़ी संख्या में बीज फैलाकर तेजी से फैलता है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि गाजर घास मनुष्यों में त्वचा संबंधी एलर्जी, दमा, बुखार और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह पशुओं के लिए भी हानिकारक है। इसके नियंत्रण के लिए फूल आने से पहले इसकी जड़ों को उखाड़ देना सबसे प्रभावी उपाय है, जिससे इसके फैलाव को रोका जा सकता है। जागरूकता कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभी छात्रावास परिसरों में आयोजित किया गया, जिसमें वार्डन, सहायक वार्डन और छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में गाजर घास के उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

पार्थेनियम से होने वाले नुकसान और बचाव के उपायों की दी जानकारी

DT दीनार टाइम्स भारत के नाम सिर्फ सच

www.dtstar.in पर क्लिक करें

PT STAR

ताजा खबरों के लिए और दीनार टाइम्स ई-पेपर के लिए

वेबसाइट पर जाएं

डाक पंजीयन. सं.-केपी.सिटी-137/2026 -28

दैनिक
तस्वीर आजकल

कानपुर
शुक्रवार 3 जुलाई 2026
वर्ष-19 अंक- 234
पृष्ठ-10 मूल्य 1:00

Tasveer aajkal news | Tasveer aajkal news | Tasveer aajkal news

कानपुर देहात/सिद्धार्थनगर/चित्रकूट/महोबा/उन्नाव/ बहराइच /मऊ/फतेहपुर/बरेली/ हमीरपुर/औरैया/लखनऊ/ उरई (जालौन)/फर्रूखाबाद/कन्नौज/प्रयागराज/झासी में प्रसारित

सीएसए के कुलपति ने किया सब्जी अनुभाग का निरीक्षण, दिए उत्कृष्ट तकनीक विकसित करने के निर्देश

तस्वीर आजकल ब्यूरो

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फसल अनुसंधान, गुणवत्ता सुधार, और किसानों के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कुलपति ने सब्जी अनुभाग में हो रहे अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों (माइक्रोन्यूट्रिएंट्स) का उपयोग कर सब्जियों की पैदावार बढ़ाने एवं गुणवत्ता सुधार के निर्देश दिए ताकि किसानों को आर्थिक लाभ हो। कुलपति ने सब्जी की नई और उन्नत

किस्मों पर हो रहे शोधों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए प्रसार कार्यक्रम मजबूत करने को कहा है। फसल की गुणवत्ता में सुधार लाने और समय से पहले तैयार होने वाली किस्मों पर फोकस करने पर जोर दिया। उन्होंने सब्जी उत्पादन और बीज प्रसंस्करण में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार-उन्मुख प्रशिक्षण देने का निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉक्टर डी पी सिंह, डॉक्टर केशव आर्य, डॉक्टर संजीव सचान एवं डॉक्टर राजीव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

वर्ष : 19 अंक : 163 लखनऊ शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 पृष्ठ : 16, मूल्य: ₹4/-

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

जायजा सीएसए कुलपति ने किया सब्जी अनुभाग का निरीक्षण, दिए जरूरी दिशा निर्देश

आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर पैदावार बढ़ाएं किसान

- सब्जी उत्पादन व बीज प्रसंस्करण में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार-उन्मुख प्रशिक्षण देने के दिए निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फसल अनुसंधान, गुणवत्ता सुधार, और किसानों के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

कुलपति ने सब्जी अनुभाग में हो रहे अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों (माइक्रोन्यूट्रिएंट्स) का उपयोग कर सब्जियों की पैदावार बढ़ाने एवं गुणवत्ता सुधार के निर्देश दिए ताकि किसानों को आर्थिक लाभ हो।

कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने सब्जी की नई और उन्नत किस्मों पर हो रहे शोधों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए प्रसार कार्यक्रम मजबूत करने को कहा है। फसल की गुणवत्ता में सुधार लाने और समय से पहले तैयार होने वाली किस्मों पर फोकस करने पर जोर दिया। उन्होंने सब्जी उत्पादन और बीज प्रसंस्करण में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार-उन्मुख प्रशिक्षण देने का निर्देश दिए।

इस अवसर पर डॉ डी पी सिंह, डॉक्टर केशव आर्य, डॉ संजीव सचान एवं डॉ राजीव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गाजर घास उन्मूलन पर कृषि विश्वविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के परिसर में गाजर घास उन्मूलन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कुलपति डॉक्टर संजीव गुप्ता ने कहा कि गाजर घास (पार्थेनियम) देश के विभिन्न भागों में सफेद टोपी, चटक चांदनी, गंधी बुटी आदि के नामो से जाना जाता है। डॉ गुप्ता ने कहा कि यह खरपतवार रेलवे लाइन, सड़क के किनारे तथा खेतों में भी फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु में इसका अंकुरण होने पर भीषण खरपतवार का रूप ले लेती है। कहा कि यह घास तीन-चार महीने में अपना जीवन चक्र पूरा कर लेती है। उन्होंने बताया कि इस घास से मनुष्यों में त्वचा संबंधी एलर्जी, दमा, बुखार आदि पैदा होता है। पशुओं के लिए भी यह खरपतवार हानिकारक है। इसके रोकथाम के लिए गाजर घास में फूल आने से पहले जड़ को उखाड़ देना चाहिए। जड़ से उखाड़ने से गाजर घास के फैलाव को रोका जा सकता है। उन्होंने इसके उन्मूलन को लेकर विविध जानकारी दी। गाजर घास जागरूकता कार्यक्रम सभी छात्रावासों के परिसर में कराया गया। इस मौके पर सभी वार्डेस, सहायक वार्डेस एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अमर भारती

एक उम्मीद

04 प्रदेश, 06 संस्करण

: 186, पृष्ठः 12, मूल्यः 03 रु. RNI No. UPHIN/2011/46455 www.amarbharti.com शुक्रवार, 03 जुलाई 2026 शक सम्वत् 1948,

कुलपति ने किया सब्जी अनुभाग का निरीक्षण दिए निर्देश

कानपुर (अमर भारती)। सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फसल अनुसंधान, गुणवत्ता सुधार, और किसानों के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कुलपति ने सब्जी अनुभाग में हो रहे अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों (माइक्रोन्यूट्रिएंट्स) का उपयोग कर सब्जियों की पैदावार बढ़ाने एवं गुणवत्ता सुधार के निर्देश दिए ताकि किसानों को आर्थिक लाभ हो। कुलपति ने सब्जी की नई और उन्नत किस्मों पर हो रहे शोधों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए प्रसार कार्यक्रम मजबूत करने को कहा है।

सब्जी अनुभाग का निरीक्षण करते कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता।

कुलपति ने शाकभाजी में हो रहे अनुसंधान का जायजा लिया

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 2 जुलाई। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति ने गुरुवार को सब्जी अनुभाग का निरीक्षण कर वहां पर चल रहे रिसर्च वर्क के बारे मे जानकारी हासिल की। सीएसए के कुलपित डॉ. संजीव गुप्ता ने निरीक्षण के ब ाद एग्रीकल्चर साइंटिस्ट से कहा कि वह ऐसी रिसर्च वर्क करे जिससे कि किसानों को सीधे फायदा मिले। अच्छी गुणवत्ता के साथ अगर बीज का उत्पादन करेंगे तो वह सभी के हित में होगा। एग्री साइंटिस्टों से कहा कि माइक्रोन्यूट्रिएंट्स का उपयोग करके सब्जियों की पैदावार बढ़ायें और उत्पाद की क्वालिटी भी अच्छी होनी चाहिए। जो भी सब्जी की नई प्र जातियां विकसित की जा रही हैं उन्हें कृषि विज्ञान केन्द्रों के म ाध्यम से किसानों तक पहुंचाने पर ध्यान देने की जरूरत है। वाइस चांसलर ने यह भी कहा कि सब्जी उत्पादन और बीज प्रसंस्करण में गांव की महिलाओं को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण देंगे तो उनकी माली हालत में सुधार होगा। निरीक्षण के समय डॉ. डी पी सिंह, डॉ. केशव आर्य, डॉ. संजीव सचान, डॉ. राजीव आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला 03/07/2026

सीएसए में गाजर घास उन्मूलन अभियान

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में गुरुवार को गाजर घास उन्मूलन अभियान चला।

शिक्षकों और अधिकारियों ने मजदूरों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय परिसर में बढ़ रही गाजर घास हटवाई। कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने कहा कि गाजर घास (पार्थेनियम) सफेद टोपी, चटक चांदनी, गंधी बुटी आदि नाम से पहचानी जाती है। इससे त्वचा संबंधी एलर्जी, दमा, बुखार का खतरा रहता है। मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि अभियान सभी छात्रावास, शैक्षणिक भवन समेत पूरे परिसर में चलाया गया। (ब्यूरो)

दैनिक जागरण 03/07/2026

गाजर घास से एलर्जी और दमा का खतरा

जासं, कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में गुरुवार को गाजर घास (पार्थेनियम) उन्मूलन एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं को इस खरपतवार से होने वाले दुष्प्रभावों और इसके नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी गई।

कुलपति डा.संजीव गुप्ता ने कहा कि गाजर घास देश के विभिन्न हिस्सों में सफेद टोपी, चटक चांदनी और गंधी बूटी जैसे नामों से जानी जाती है। यह रेलवे लाइनों, सड़कों के किनारे, खाली भूखंडों और कृषि क्षेत्रों में तेजी से फैल रही है। इस खरपतवार के संपर्क में आने से त्वचा संबंधी एलर्जी, खुजली, दमा, सांस संबंधी रोग और बुखार जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पशुओं में भी इसके कारण विषाक्तता और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां होती हैं। उन्होंने नियंत्रण के लिए लोगों से फूल आने से पहले पौधों को जड़ सहित उखाड़ने का आह्वान किया।

सीएसए कुलपति ने किया सब्जी अनुभाग का निरीक्षण, दिए उत्कृष्ट तकनीकी विकसित करने के निर्देश

पहल टुडे, हरिकृष्ण कश्यप

कानपुर देहात, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने विश्वविद्यालय के सब्जी अनुभाग का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने फसल अनुसंधान, गुणवत्ता सुधार, और किसानों के हित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कुलपति ने सब्जी अनुभाग में हो रहे अनुसंधान कार्यों का जायजा लिया और वैज्ञानिकों को आधुनिक तकनीकों (माइक्रोन्यूट्रिएंट्स) का उपयोग कर सब्जियों की पैदावार

बढ़ाने एवं गुणवत्ता सुधार के निर्देश दिए ताकि किसानों को आर्थिक लाभ हो। कुलपति ने सब्जी की नई और उन्नत किस्मों पर हो रहे शोधों का लाभ सीधे किसानों तक पहुंचाने के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के जरिए प्रसार कार्यक्रम मजबूत करने को कहा है।फसल की गुणवत्ता में सुधार लाने और समय से पहले तैयार होने वाली किस्मों पर फोकस करने पर जोर दिया। उन्होंने सब्जी उत्पादन और बीज प्रसंस्करण में ग्रामीण महिलाओं को रोजगार-उन्मुख प्रशिक्षण देने का निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ डी पी सिंह, डॉक्टर केशव आर्य, डॉ संजीव सचान एवं डॉ राजीव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।